स्व· — आप्यान pinguis, turgidus. Bhatt. 5.16.9.2. 2) augere, corroborare. Mah. 5.508.: अप्यायध्वन् तपसा तेजसा माम्· — *Caus.* 1) pinguefacere, augere, amplificare. Mah. 3.13542.: तेजसा तव तेजो विष्णुर् आप्यायिष्यति; R. Schl. I. 28.30.: तपोयोगबलेनै 'नम् आप्याययितुम् अर्हसि· 2) exhilarare, oblectare. Megh. 45.: आप्याययेस् तम् मयूरम्· *V.* आप्यायित·

c. आ praef. सम् *id.* Bhatt. 14.62.: मन्युर् अस्य समापिप्ये· — *Caus.* Mah. 3.8725.: स समाप्यायितो विष्णुना बलवान् समपद्यत·

प्र (fortasse e पर् q. v.) *Praep. insep.* v. gr. 111. (Gr. πϱο, lat. *pro*; lith. *pra, pri, pro*; slav. *pro, pri*; goth. *fra, fri*; germ. vet. *fra, far*; hib. *fur, for, foir,* v. Pictet p. 90.; hic etiam traxerim hib. *fri* «with, by, through, on».)

प्रकर *m.* (r. कृ praef. प्र s. अ) acervus, multitudo. A. 8.3.

प्रकर्ष *m.* (r. कृष् praef. प्र s. अ) excellentia, praestantia. Hit. 121.2.

प्रकामतस् *Adv.* (a प्रकाम voluptas s. तस्) voluptarie, cum voluptate. H. 2.14.

प्रकार *n.* (r. कृ praef. प्र s. अ) modus. N. 13.23.

प्रकाश (r. काश् praef. प्र s. अ) 1) clarus, lucidus, collustratus. Bh. 14.11. 2) manifestus. Bh. 7.25. — प्रकाशम् *Adv.* clare, clarâ voce. Hit. 10.15. — प्रकाश *m.* lumen, lux. Ur. 70.5.

प्रकाशक (r. काश् praef. प्र s. अक) clarus, lucidus. Bh. 14.6.

प्रकाशता *f.* (a प्रकाश s. ता) claritas, celebritas. N. 26.37.

प्रकीर्ति *f.* (r. कृ praef. प्र s. ति; v. कृत्, कीर्ति) gloria. Bh. 11.36.

प्रकृति *f.* (r. कृ facere praef. प्र s. ति) 1) natura. Bh. 3.5. 33.7.4.9.7.8.10. 2) *plur.* प्रकृतयस् subditi. N. 7.13.

प्रकृष्टत्व (a प्रकृष्ट excellens, praestans - v. कृष् praef. प्र - suff. त्व) excellentia, praestantia. Hit. 131.5.

प्रकोप *m.* (r. कुप् praef. प्र s. अ) irritatio, actio iratum reddendi. Hit. 80.10.

प्रक्षय *m.* (r. क्षि perire praef. प्र s. अ) interitus, exitium, ruina. Dr. 4.19. A. 7.16.

प्रक्षालन *n.* (r. क्षल् cl. 10. praef. प्र s. अन) lavatio, ablutio. N. 23.11.

प्रख्य (r. ख्या dicere praef. प्र s. अ, v. gr. 645.) similis. N. 13.63.21.11.

प्रगल्भ (r. गल्भ् praef. प्र s. अ) fortis, audax, strenuus. Hit. 48.20.84.12.100.14.

प्रचण्ड (r. चण्ड् praef. प्र s. अ) *Adj.* calidus, fervidus, aestuosus, ardens; *transl.* iracundus, irâ incensus. Ritu-S. 1.1. Lass. 85.1. Dr. 7.7. — *Subst. m.* nomen plantae, Wils. «*a sort of Nerium with white flowers*».

प्रचुर *Adj.* (r. चुर् praef. प्र s. अ) multus. Hit. 50.21.77.20. Lass. 44.3.

प्रच्छन्न v. छद्·

प्रच्छादन *Adj.* (r. छद् cl. 10. praef. प्र s. अन) tegens. N. 17.10.

प्रच्छ् 6. *P. A.* (पृच्छामि, पृच्छे, v. gr. 336.) interrogare. Bh. 2.7.: पृच्छामि त्वां यच् छ्रेयः; In. 1.37.: पप्रच्छ मातलिम्· *Cum acc. rei.* N. 2.15.: तौ ... कुशलम् अव्ययम् पप्रच्छ; A. 1.8.: सर्वान् ... दिवौकसश्च पपृच्छुर् एनम्· (Goth. *FRAH*, praes. *fraiha* e *friha* pro *fraha*, gr. comp. 82.; nostrum *frage*; lat. *proco, precor*; *posco* ejecto *r*; ut videtur, *rogo* e *progo*; lith. *perszu* procus sum, uxorem mihi deposco; *praszau* rogo, precor; russ. *prosˇu* id.; hib. *fiafrach* «inquisitive», *fiafraighe* «a question», *fiafruighim* «I inquire, ask», ut videtur per redupl.; fortasse etiam *friscim* «I hope», *friscart* «an answer». — Pottius apte explicat प्रच्छ् e praep. प्र et rad. इच्छ् desiderare, et confert gr. πϱοΐσσομαι, ad quod etiam Passow refert lat. *precor, proco.*)

c. अनु *i. q. simpl.*; *c. 2. acc.* R. Schl. II. 57.29.: रामम् अनुपृच्छसि सारथिम्·

c. अनु praef. *id.* Mah. 2.2142.

c. अभि *id.* Mah. 3.13339.

c. आ valedicere. In. 1.21.: शैलराजन् तम् आप्रष्टुम् उपचक्रमे; M. 33.: आपृष्टो ऽसि गच्छाम्य् अहम्; Mah. 1.3270.: आपृच्छे त्वाम्; 2.1602.: आपृच्छामो नरव्याघ्रम्·

29